

0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

UUTISET



Epidauruksen teatteri on Peloponnesoksen niemimaan tärkeimpiä matkailukohteita. Se rakennettiin noin neljäsataa vuotta ennen ajanlaskun alkua ja on parhaiten säilynyt antiikin Kreikan teatteri. Kolikon kilahdus näyttämön kiveen kuuluu ylimmälle riville saakka.



”Joka vuosi ei saa sellaisia rypäleitä kuin haluaa. Vuonna 2007 oli tulipaloja, 2008 tapahtui ihme. Vuodesta 2013 emme vielä tiedä”, Dimitri Halias pohti viinivalmistusta.



Olympian kylään tultiin antiikin aikana kisoihin kuudensadan vuoden ajan. Nykyisin kylään tullaan kaikkialta maailmasta. Raitilla oli paljon enemmän matkailijoita kuin Nafplion rantakohteessa.

»Itse asiassa olemme selviytyneet nyt yhdeksän kuukautta ilman lisälainaa suurimmilta rahoittajilta.«



GEORGIOS KORMENTZAS

Kreikan talous odottaa kesää

Matkailu on Kreikan talouden ainoa valopilkku. Kesän matkailukaudelle on suuret odotukset. Maatalous on pysynyt talouskriisin ulkopuolella.

MT KREIKASSA 1/3



talouskriisin ulkopuolella. Yksi syy on, että maatalous ei näytä hallitusta kiinnostavan.

”Strategia ja suunnitelma siitä, mitä maataloudelta odotetaan, puuttuu kokonaan. Maataloutta ei edes mainita talouden pelastussuunnitelmassa troikal- le”, Kormentzas sanoo.

Kreikan pääministeripuolue Syriza on suosittu maaviljelijöiden keskuudessa. Syynä ei kuitenkaan ole puolueen viljelijöille lupaama verohelpotus.

”Kaikki muutkin puolueet lupasivat leikata veroja, vaikka eivät edes itse siihen uskonet. Suosio on protesti edelliselle hallitukselle. Tukien maksaminen myöhästyi kahden vuoden aikana liian usein.”

Syriza on yleispuolue, eikä sillä ole erityistä maataloussiipeä. Nafplion alueen hedelmien viljelijät eivät hallitukselta paljoa odota. He valittavat hinnoista, mutta voivat myydä koko tuotannon osuuskunnan mehutehtaalle.

Giannis Dimakiksen johtama tehdas puristaa 35 000 tonnia appelsiineja vuodessa. Pakastettu tiiviste pakataan mehuksi. Lisäksi yritys pullottaa limsaa kaupan merkeille.

”Talouskriisi on ollut meille etu, sillä se ei ole vielä niin syvä, että ihmiset lopettaisivat juomi-

sen”, Dimakis sanoo.

Köyhtyvät siirtyvät merkki- juomista kaupan merkkeihin ja tehtaan tuotteilla on kysyntää.

Tehdasta on uusittu vuosittain myös kriisivuosina. Investoiminen on hidasta, sillä pankista ei saa lainaa.

”Investoimme 600 000 ja miljoonan välillä joka vuosi. Takana ei ole pankkia ja omistajat ovat köyhiä viljelijöitä. Siksi kaikki tehdään tuloarahoituksella.”

”Meillä ei ole kriisiä” Skourasin viinitilan tiedottaja **Dimitri Halias** katsoo hieman kiero- on ja huudahtaa kuin kysymykset olisivat tyhmiä:

”Meillä ei ole kriisiä. Me mak- samme paljon veroja.”

Viinitilalla menee hyvin. Talo myy noin puolet viimeistä Kreikassa ja puolet menee vientiin.

Vientiä on pystytty kasvatamaan, koska verkosto oli jo valmiina ennen kriisiä.

Haliasin mielestä ne menestyvät, jotka onnistuvat pysyttelemään erossa hallituksesta.

”Meillä ei ole mitään tekemistä valtion kanssa. Meillä ei ole lainoja ja myymme viinit oman verkoston kautta.”

Samalla linjalla on viinitilan omistaja **Georges Skouras**.

”Tekhää työnne ja antakaa meidän tehdä omamme. Me myymme kaikki viiniimme. Emme me tarvitse hallitusta väliin”, Skouras ohjeistaa hallitusta.

Vaikka Skouras mielellään pysyttelee erossa valtiosta, EU kiinnostaa. Talon viineillä on EU:n paikallisen tuotannon suoja ja EU rahoittaa yrityksen mainoskampanjaa.

AIMO VAINIO

KOMMENTTI

Valtion ei uskota auttavan

”Miten paljon teillä käy turisteja vuodessa?”, kysyin Kreikassa suositun matkailu- kohteen virkailijalta.

”En voi auttaa sinua. Soita matkailuministeriöön”, virkailija vastasi.

Kysymystä oli edeltänyt keskustelu mahdollisuudesta jututtaa kohteen pomoa. Ei onnistunut.

Aloin hieman ymmärtää paikallisten arvioita siitä, että kaikki pitää tehdä itse. Valtiolta ei odoteta mitään ja sen toivotaan pysyvän poissa tieltä.

Ainakin tämä kohtaaminen virkailijan kanssa tuki näkemystä. Hänestä ei ollut mitään hyötyä.

Ilmeisesti valtio antaa ih-

misten touhuta rauhassa, sillä kukaan ei valittanut valtion puuttuvan liikaa.

Menestyville valtion pieni rooli näyttää käyvän hyvin. Vähemmin menestyville se tarkoittaa, että kukaan ei paranna huonosti toimivia rakenteita.

Esimerkiksi pienviljelijöiden mahdollisuudet rajoit-

tuvat oman osuuskunnan kehittämiseen.

”Tulevaisuus näyttää pahal- ta. En usko parempaan, elleivät viljelijät opi työskentele- mään yhdessä”, nafpliolainen appelsiinviljelijä ja hedel- mäosuuskunnan puheenjoh- taja **Anna Lampada** sanoo.

AIMO VAINIO

»Talouskriisi on ollut meille etu, sillä se ei ole vielä niin syvä, että ihmiset lopettaisivat juomisen.«

GIANNIS DIMAKIS

”Turvallisuuden tunne puuttuu, koska yrityksen taustalla ei ole vahvaa pankkia”, Argolida Rea -osuuskunnan mehutehtaan johtaja Giannis Dimakis kommentoi talouskriisiä.



KANTRI ilmestyy perjantaina!

HUHTIKUUN NUMEROSSA:

- Ulkoillaan puistossa
- Kerrotaan kakasta
- Syödään hamppua
- Pyöräillään Suomi-pyörillä

KUVIA: JARKKO SIRKÄ